17-02-2023

विंडफ़ाल टैक्स

समाचार पत्रों में क्यों?

सरकार ने डीजल के निर्यात पर कर 7.50 रुपये प्रति लीटर से घटाकर 2.50 रुपये प्रति लीटर और ATF (Aviation Turbine Fuel) पर उत्पाद शुल्क 6 रुपये प्रति लीटर से घटाकर 1.50 रुपये प्रति लीटर कर दिया।

त्वरित मुद्दा?

- यह निर्णय अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतों में नरमी के कारण लिया गया है।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि?

- विंडफॉल टैक्स ऐसी कंपनियों या इंडस्ट्री पर लगाया जाता है, जिन्हें किसी खास तरह की परिस्थितियों में तत्काल काफी लाभ होता है। भारत की तेल कंपनियां इसका अच्छा उदाहरण हैं।
- विंडफॉल टैक्स केंद्र सरकार द्वारा कच्चे तेल के उत्पादकों द्वारा 75 डॉलर प्रति बैरल की सीमा से ऊपर प्राप्त किसी भी कीमत पर किए गए मुनाफे पर लगाया जाता है।
- अमूमन सरकारें इस तरह के प्रॉफिट पर टैक्स के सामान्य रेट के ऊपर वन-टाइम टैक्स लगाती है। इसे विंडफॉल टैक्स कहते हैं।

- गौरतलब है कि केंद्र सरकार ने 1 जुलाई, 2022 से पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स पर विंडफॉल टैक्स लगाने का फैसला किया था।
- उस समय सरकार ने ऐलान किया था कि इस टैक्स को पेट्रोल के साथ-साथ डीजल, ATF पर भी लगाया जाएगा।
- उस समय सरकार ने ऐलान किया था कि इस टैक्स को पेट्रोल के साथ-साथ डीजल, ATF पर भी लगाया जाएगा।
- सरकार ने पेट्रोल और एटीएफ प्रत्येक पर 6 रुपये प्रति लीटर का

अन्य प्रमुख तथ्य?

ATF (Aviation Turbine Fuel)

- जेट फ्यूल (हवाई ईंधन) या एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) की जरूरत विमानों के परिचालन के लिए पड़ती है।
- इसका प्रयोग जेट व टर्बो-प्रॉप इंजन वाले विमान को पावर देने के लिए किया जाता है।
- यह एक विशेष प्रकार का पेट्रोलियम आधारित ईंधन है। एटीएफ दिखने में रंगहीन और स्ट्रा की तरह होता है।
- ज्यादातर कॉमर्शियल विमानन कंपनियां ईंधन के तौर पर जेट ए और जेट ए-1 ईंधन का इस्तेमाल करती है।

कर लगाया था, जबकि डीजल पर यह 13 रुपये प्रति लीटर था।

WINDFALL TAX REVISION		
	FEBRUARY 16	FEBRUARY 4
CRUDE	₹4,350/t	₹5,050/t
DIESEL	₹2.50/L	₹7.50/L
ATF	₹1.50/L	₹6/L
PETROL	Nil	Nil

- विंडफॉल टैक्स के लागू होने के बाद से इंटरनेशनल मार्केट में कच्चे तेल की कीमतों में लगातार गिरावट आई है।
- ऐसे में तेल कंपनियों को अपने नुकसान भरपाई का मौका मिला है।
- सरकार ने विंडफॉल टैक्स पर कटौती की है जब इंटरनेशनल मार्केट में कच्चे तेल की कीमत लगभग 85 डॉलर प्रति बैरल के आसपास बनी हुई है।

ऑफ-बजट ऋण

समाचार पत्रों में क्यों?

हाल ही में केंद्र सरकार द्वारा राज्य के विकास में सांख्यिकी वित्त मंत्री मंत्री पर कई आरोप लगाए गए।

त्वरित मुद्दा?

- वित्त मंत्री ने कहा कि राज्य ने कम समय में सिंचाई परियोजना को पूरा करने के लिए ऑफ-बजट कर्ज का सहारा लिया था, लेकिन केंद्र सरकार ने ऑफ-बजट कर्ज की सीमा तय कर दी।
- उन्होंने तर्क दिया कि ऋण सीमा में यह चयन संघवाद की भावना के विरुद्ध है।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि?

- ऑफ-बजट ऋण ऐसे ऋण हैं जो सरकार द्वारा सीधे नहीं लिए जाते हैं, बल्कि किसी अन्य सार्वजनिक संस्थान द्वारा सरकार के निर्देश पर लिए जाते हैं।
- ऐसी ऋणियों का उपयोग सरकार की व्यय संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए किया जाता है।

- इस प्रकार के ऋण की देनदारी अधिकृत रूप से सरकार नहीं होती है, इसलिए यह ऋण राष्ट्रीय देनदारी में शामिल नहीं होता है।
- संविधान के भाग XII का अध्याय II ऋण लेने से संबंधित है।
- लेखा-जोखा 292 में केंद्र सरकार द्वारा ऋण लेना और लेखा-जोखा 293 में राज्यों द्वारा ऋण लेने से संबंधित प्रावधान शामिल हैं।
- खाता लेखा 293(1) राज्य विधान सभाओं को ऋण लेने और एकसमान रूप से राज्य की कार्यकारी शक्तियों को सक्षम या सीमित करने के लिए कानून द्वारा शक्ति प्रदान करता है।

- लेखांकन 293 के खंड (3) के अनुसार यदि किसी ऐसे ऋण का, जो भारत सरकार ने या उसकी पूर्व सरकार ने उस राज्य को दिया था या उसके संबंध में भारत सरकार ने या उसकी पूर्व सरकार ने प्रत्याभूति दी थी, कोई हिस्सा अभी भी टूटा है तो वह राज्य, भारत सरकार की सहमति के बिना कोई दायित्व नहीं ले पाएगा।
- लेखा 293 के खंड (4) के अनुसार खंड (3) की सहमति के बिना उन दस्तावेजों को नहीं दिया जा सकता है जिन्हें भारत सरकार अधिरोपित करना ठीक समझ।

अन्य प्रमुख तथ्य?

ATF (Aviation Turbine Fuel)

- घाटा घाटा (राजकोषीय घाटा)
- एक वित्तीय वर्ष के दौरान सरकार द्वारा लगाए गए व्यय (ऋण पुनर्भरण को) और सरकार की आय (ऋण प्राप्त करने वालों को छोड़कर) के बीच के अंतर को अलग करते हुए कहते हैं।
- यह उस धन का खुलासा है, जिसे सरकार अपनी व्यय आवश्यकताओं की स्वीकृति के लिए ऋण लेने की आवश्यकता होती है।
- इसे प्रतिशत के रूप में गलत माना जाता है।
- •संयुक्त उत्तरदायित्व और बजट प्रबंधन अधिनियम 2003 ने 31 मार्च 2021 तक सरकार को अपना गठबंधन घाटा बनाने के 3 प्रतिशत तक करने का सुझाव दिया था।
- •एनके सिंह समिति द्वारा चुनी गई थी कि सरकार को 31 मार्च, 2020 तक घटित होने के 3 प्रतिशत होने चाहिए, उस वर्ष 2020-21 में 2.8 प्रतिशत तक और वर्ष 2023 तक 2.5 प्रतिशत तक कम करना चाहिए।

फटाफट न्यूज़

मारबर्ग वायरस

- मारबर्ग वायरस मानव में एक गंभीर रक्तस्रावी बुखार का कारण बनता है। यह इबोला की तरह फिलोविराइड परिवार (फिलोवायरस) का सदस्य है।
- इसके प्राकृतिक परपोशी (मेजबान) रूसेटस फ्रूट-बेट हैं, जबकि मानव में संक्रमण के स्रोत अफ्रीकन ग्रीन मंकी थे।
- प्लाजा लोगो में तेज बुखार, माँसपेशियों में दर्द और गंभीर सिरदर्द के साथ ही पेट दर्द, उल्टी, दस्त व शरीर में ऐंठन के लक्षण पाए जाते हैं। बाद में नाक व मसूड़ों से अत्यधिक रक्तस्राव के कारण रोगी की मृत्यु हो जाती है।
- इसका सर्वप्रथम प्रसार वर्ष 1967 में जर्मनी के मारबर्ग और फ्रैंकफर्ट के अतिरिक्त बेलग्रेड और सर्बिया में हुआ था। हाल में अफ्रीका के गिनी में इसका नया मामला पाया गया।

बायो-हाइब्रिड रोबोट

- हाल ही में तेल अवीव विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने बायो-हाइब्रिड रोबोट विकसित किया है।
- यह जैविक सेंसर से लैस एक नया रोबोट है जो टिड्डियों के एंटीना का उपयोग करता है।
- यह सूँघने की क्षमता से युक्त रोबोट है।
- रोबोट बीमारी का पता लगाने और सुरक्षा जांच में सुधार के लिए इसका उपयोग करता है।
- टिड्डी एंटीना में 50,000 से अधिक घ्राण रिसेप्टर न्यूरॉन्स (Olfactory receptor neurons-ORN) शामिल हैं जो वायुजनित गंधक अणुओं को विद्युत संकेतों में परिवर्तित करते हैं।
- बायो-हाइब्रिड रोबोट ऐसे रोबोट हैं जो इलेक्ट्रॉनिक और यांत्रिकी जैसे जैविक और कृत्रिम घटकों को एक साथ मिलाते हैं।
- जैविक घटकों का उपयोग करने से रोबोट में निपुणता, अनुकूलन क्षमता और ऊर्जा दक्षता में वृद्धि होती है।

मैमटस बादल

- मैमटस बादल असामान्य एवं विशिष्ट बादलों का एक प्रकार है जिनका निर्माण बादलों के आधार से उभारों की एक श्रृंखला के रूप में होता है।
- इसका आकार उभरी हुई आकृति से लेकर बादल के ऊपरी स्तर से लटकी एक लम्बी ट्यूब के समान हो सकता है।
- बड़े आकार के कपासी बादलों में विक्षोभ से निर्मित होने के कारण मैमटस बादल झंझावात उत्पन्न करते हैं।
- इससे आसपास के क्षेत्रों में ओलावृष्टि, भारी बारिश एवं बिजली गिरने की भी संभावना होती है। हालाँकि ये अन्य प्रकार के बादलों पर भी निर्मित हो सकते हैं जो वर्षा का कारण नहीं बनते।

चक्रवात गेब्रियल

- न्यूज़ीलैंड ने चक्रवात गेब्रिएल से कम-से-कम पाँच लोगों की मृत्यु और 9,000 लोगों के विस्थापित होने के पश्चात् रिकवरी के प्रयास तेज़ कर दिये हैं।

- चक्रवात कम दबाव वाले वे क्षेत्र हैं जहाँ तीव्र गति से आंतरिक वायु का परिसंचरण होता है। उत्तरी गोलार्द्ध में हवा एंटीक्लॉकवाइज़ घूमती है, जबकि दक्षिणी गोलार्द्ध में हवा क्लॉकवाइज़ घूमती है। चक्रवात दो प्रकार के होते हैं: उष्णकटिबंधीय चक्रवात और अतिरिक्त-उष्णकटिबंधीय चक्रवात।
- न्यूज़ीलैंड में मुख्य रूप से दो द्वीप- उत्तर एवं दक्षिण द्वीप तथा कई अन्य छोटे द्वीप हैं। देश में वनस्पति और पशु जीवन की एक अनूठी शृंखला भी है।
- वर्ष 1893 में महिलाओं को मतदान की अनुमति देने वाला यह पहला देश था। न्यूज़ीलैंड का वेतापुंगा, जो विश्व के सबसे भारी कीटों में से एक है, का वज़न एक गौरैया के वज़न से अधिक हो सकता है।

"खनन प्रहरी" मोबाइल एप

- भारत सरकार ने अनधिकृत कोयला खनन गतिविधियों की सूचना देने के लिये "खनन प्रहरी" नामक एक मोबाइल एप और एक वेब एप कोयला खदान निगरानी और प्रबंधन प्रणाली (Coal Mine Surveillance and Management System- CMSMS) लॉन्च की है।
- यह मोबाइल एप कोयला मंत्रालय द्वारा विकसित किया गया है जो नागरिकों को घटना के स्थान से भू-टैग की गई तस्वीरों तथा टेक्स्ट के रूप में सूचना का उपयोग करके अवैध कोयला खनन की घटनाओं के बारे में रिपोर्ट करने में सक्षम बनाता है।
- इस संबंध में किये गए वैधानिक उपायों में शामिल हैं- कोयला खदान (राष्ट्रीयकरण) अधिनियम, 1973; खनिज रियायत नियम, 1960; कोलियरी नियंत्रण नियम, 2004' खान और खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1957। इसके अलावा इन क्षेत्रों तक पहुँच और अवैध गतिविधियों को रोकने के लिये परित्यक्त खदानों के मुहाने पर कंक्रीट की दीवारें निर्मित की गई हैं।
- साथ ही मौजूदा सुरक्षा/CISF कर्मियों को प्रशिक्षित किया जा रहा है और अवैध खनन के विभिन्न पहलुओं की निगरानी के लिये CIL (Coal India Ltd.) की कुछ सहायक कंपनियों में विभिन्न स्तरों पर समितियों/कार्यबलों का गठन किया गया है।

पहला सुंदरबन बर्ड फेस्टिवल

- हाल ही में पहले सुंदरबन बर्ड फेस्टिवल के दौरान 145 अलग-अलग पक्षी प्रजातियों को देखा गया। इस पहले उत्सव का आयोजन पश्चिम बंगाल वन विभाग के सुंदरबन टाइगर रिज़र्व (STR) डिवीज़न द्वारा किया गया था, जिसमें कई टीमों ने सुंदरबन बायोस्फीयर रिज़र्व के अंदर विभिन्न क्षेत्रों का दौरा किया।
- बर्ड फेस्टिवल सुंदरबन की पक्षी प्रजातियों की विविधता पर आधारभूत डेटा प्रदान करता है।
- वर्ष 2021 में ज़ूलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया (ZSI) के अनुसार, भारत में खोजी गई सभी एवियन प्रजातियों में से एक-तिहाई (पक्षियों की प्रजातियाँ) यानी 428 पक्षी प्रजातियाँ सुंदरबन में पाई गईं।

बौने ग्रह पर रहस्यमयी वलय

- एक नए अध्ययन में वैज्ञानिकों ने पाया कि बौना ग्रह, प्लूटो असामान्य वलय वाला है जो ग्रह के आकार का लगभग आधा है। क्वाओर (Quaoar) के वलय (मूल अमेरिकी पौराणिक कथाओं में सृजन के एक देवता के नाम पर) सात ग्रहों की त्रिज्या (किसी ग्रह के केंद्र और उसकी सतह के बीच की दूरी) से अधिक दूरी पर स्थित हैं, जो अन्य ग्रहों, जिनमें वलय हैं, से बहुत दूर है।
- ग्रहों के वलय में बर्फ के छोटे-छोटे टुकड़े और अन्य पदार्थ होते हैं जो एक बड़ी वस्तु की परिक्रमा करते हैं। केवल शनि, बृहस्पति, यूरेनस तथा वरुण (नेप्च्यून), जिसमें दो अन्य छोटे ग्रह चारिकलो और ह्यूमिया शामिल हैं, को वलय के रूप में जाना जाता है।

पालम परियोजना

- तमिलनाडु के करूर ज़िले में पालम परियोजना अथवा सिटी लाइवलीहुड सेंटर शिक्षित बेरोज़गार युवाओं को नौकरियाँ प्रदान करने में काफी सफल रहा है। अधिकांश सरकारी रोज़गार के विपरीत यह ज़्यादातर निजी नौकरियों पर केंद्रित है।
- पश्चिमी तमिलनाडु में तिरुपुर के वस्त्र केंद्र के पास स्थित करूर ज़िला अपने उद्योगों के लिये जाना जाता है, लेकिन यह अपने घरेलू वस्त्र उत्पादों के लिये अधिक लोकप्रिय है।
- यह परियोजना वर्ष 2022 में शुरू हुई थी। पालम परियोजना का उद्देश्य रोज़गार की तलाश करने वालों और नियोक्ताओं के बीच एक सेतु का काम करना था।
- अनिवार्य रूप से पालम परियोजना का उद्देश्य एक अद्वितीय विचार के साथ आने के बजाय कई ज्ञात और अज्ञात सरकारी कार्यक्रमों एवं अवसरों का उपयोग करना था।

अधिनियम की धारा 69 (A)

- हाल ही में MeitY ने IT अधिनियम, 2000 की धारा 69 (A) के तहत "तत्काल" और "आपातकालीन" आधार पर 138 ऑनलाइन सट्टेबाज़ी प्लेटफॉर्मों एवं 94 मनी लेंडिंग एप्स को ब्लॉक करने के आदेश जारी किये।
- कुछ साइट्स और एप कथित तौर पर चीन से जुड़े हुए थे और उनमें "भारत की संप्रभुता एवं अखंडता के लिये प्रतिकूल सामग्री" थी। पिछले 3 वर्षों में ऐसे लोगों से ज़बरन वसूली/उत्पीड़न की कई शिकायतें मिली हैं, जिन्होंने इस तरह के मनी-लेंडिंग एप्स के माध्यम से अक्सर अत्यधिक उच्च ब्याज दरों पर छोटी राशि उधार ली थी।
- IT अधिनियम की धारा 69 सरकार को इंटरनेट सेवा प्रदाताओं, दूरसंचार सेवा प्रदाताओं, वेब होस्टिंग सेवाओं, सर्च इंजन, ऑनलाइन मार्केटप्लेस आदि जैसे ऑनलाइन मध्यस्थों को सामग्री-अवरोधक आदेश जारी करने का अधिकार प्रदान करती है, बशर्ते इस प्रकार की सामग्री भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा, संप्रभुता या सार्वजनिक व्यवस्था के लिये खतरा उत्पन्न करती हो।

भारत का पहला हाइड्रोजन इंटरनल कम्बशन इंजन

- हाल ही में रिलायंस इंडस्ट्रीज़ ने बंगलूरू में आयोजित 'इंडिया एनर्जी वीक' में भारत के पहले हाइड्रोजन ट्रक का प्रदर्शन किया। यह H2-ICE (हाइड्रोजन इंटरनल कम्बशन इंजन) ट्रक भारत में हाइड्रोजन से संचालित होने वाला अपनी तरह का पहला ट्रक है।

- इसे रिलायंस इंडस्ट्रीज़ ने अशोक लेलैंड के साथ साझेदारी में विकसित किया है। ट्रक में परंपरागत डीज़ल ईंधन या तरलीकृत प्राकृतिक गैस (LNG) के स्थान पर हाइड्रोजन का इस्तेमाल किया जाता है। H2-ICE में H2 हाइड्रोजन का सूत्र है और ICE का मतलब इंटरनल कम्बशन इंजन यानी आंतरिक दहन इंजन है। यह ट्रक शून्य कार्बन का उत्सर्जन करता है। हाइड्रोजन को सबसे क्लीन फ्यूल माना जाता है।
- इससे सिर्फ पानी और ऑक्सीजन का ही उत्सर्जन होता है। यह पारंपरिक डीज़ल ट्रक्स के बराबर ही परफॉर्मेंस देता है। पहला H2-ICE फ्रेंकोइस इसाक डी रिवाज़ द्वारा वर्ष 1806 में बनाया गया था, जो हाइड्रोजन और ऑक्सीजन के

मिश्रण से चलता था।भारत का पहला हाइड्रोजन इंटरनल कम्बशन इंजन

- हाल ही में रिलायंस इंडस्ट्रीज़ ने बंगलूरू में आयोजित 'इंडिया एनर्जी वीक' में भारत के पहले हाइड्रोजन ट्रक का प्रदर्शन किया। यह H2-ICE (हाइड्रोजन इंटरनल कम्बशन इंजन) ट्रक भारत में हाइड्रोजन से संचालित होने वाला अपनी तरह का पहला ट्रक है।
- इसे रिलायंस इंडस्ट्रीज़ ने अशोक लेलैंड के साथ साझेदारी में विकसित किया है। ट्रक में परंपरागत डीज़ल ईंधन या तरलीकृत प्राकृतिक गैस (LNG) के स्थान पर हाइड्रोजन का इस्तेमाल किया जाता है। H2-ICE में H2 हाइड्रोजन का सूत्र है और ICE का मतलब इंटरनल कम्बशन इंजन यानी आंतरिक दहन इंजन है। यह ट्रक शून्य कार्बन का उत्सर्जन करता है। हाइड्रोजन को सबसे क्लीन फ्यूल माना जाता है।
- इससे सिर्फ पानी और ऑक्सीजन का ही उत्सर्जन होता है। यह पारंपरिक डीज़ल ट्रक्स के बराबर ही परफॉर्मेंस देता है। पहला H2-ICE फ्रेंकोइस इसाक डी रिवाज़ द्वारा वर्ष 1806 में बनाया गया था, जो हाइड्रोजन और ऑक्सीजन के मिश्रण से चलता था।